



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 141]  
No. 141]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 26, 1985/चैत्र 5, 1907  
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 26, 1985/CHAITRA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय  
(नागरिक पूर्ति विभाग)  
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1985

क्रा.आ. 229(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा  
(विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा  
5 के अधीन विजय व्यापार चैम्बर लिमिटेड, मुजफ्फरनगर  
द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिये किये गये आवेदन पर,  
वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह  
समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में  
और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा  
6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त चैम्बर  
को गुड़ में अग्रिम संविदा हेतु 1 अप्रैल, 1985 से 31 मार्च,  
1987 तक (दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की और अवधि  
के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है  
कि उक्त चैम्बर ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा जो वायदा  
बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएंगे।

[मिसिल सं. 12(1)-आई.टी./84]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES  
(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th March, 1985

S.O. 229(E).—The Central Government having con-  
sidered in consultation with the Forward Markets  
Commission, the application for renewal of recogni-  
tion, made under Section 5 of the Forward Contracts  
(Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Vijai  
Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar, and being satis-  
fied that it would be in the interest of the trade and  
also in the public interest so to do, hereby grants, in  
exercise of the powers conferred by section 6 of the

said Act, recognition to the said Chamber for a further period of two years from 1st April, 1985 to 31st March, 1987, (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/84]

का.आ. 230(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अधिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन चैम्बर आफ़ कामर्स, हापुड़ द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिये किये गये आवेदन पर, बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त चैम्बर को गुड़ में अधिम संविदा हेतु 1 अप्रैल, 1985 से 31 मार्च, 1987 तक (दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

[मिसिल सं. 12(1)-आई.टी./84]

पा. एन कौल, अधिक सलाहकार

S.O. 230(E).—The Central Government having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition, made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952), by the Chamber of Commerce, Hapur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for further period of two years from the 1st April, 1985, to the 31st March, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/84]

P. N. KAUL, Economic Adviser